डिजिटल हेल्थ आईडी

चर्चा में क्यों?

- 13 दिसंबर, 2021 को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री डॉ. भारती प्रवीण पवार ने नई दिल्ली में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे पर आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के माध्यम से सर्वाधिक डिजिटल हेल्थ आईडी बनाने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रभारी राज्य कार्यक्रम प्रबंधक आनंद साहू ने नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ की ओर से यह पुरस्कार ग्रहण किया।
- उल्लेखनीय है कि आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत देश भर में 16 नवंबर से 12 दिसंबर, 2021 तक यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे 2021 के दौरान छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक 53 हज़ार 067 डिजिटल हेल्थ आईडी बनाए गए। वहीं मध्य प्रदेश में 43 हज़ार 953 और ओडिशा में 17 हज़ार 342 डिजिटल हेल्थ आई.डी. बनाए गए हैं।
- देश भर में इस दौरान बनाए गए कुल एक लाख 52 हज़ार 942 आईडी में अकेले छत्तीसगढ़ की भागीदारी 35 प्रतिशत है। ये सभी आईडी राज्य के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में बनाए गए हैं।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ की संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि 16 नवंबर से 12 दिसंबर तक राष्ट्रव्यापी अभियान के दौरान राज्य के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में सामान्य स्क्रीनिंग के साथ-साथ कैंसर जैसी बीमारियों की भी स्क्रीनिंग की गई।
- इस दौरान वहाँ विशेष अभियान के तहत डिजिटल हेल्थ आईडी भी बनाए गए। इस आईडी में मरीज़ की बीमारी और इलाज से संबंधित सभी तरह की जानकारियाँ दर्ज रहेंगी। इससे मरीज़ की मेडिकल हिस्ट्री का तुरंत पता लगाया जा सकता है।
- 16 नवंबर से 12 दिसंबर की अवधि में राज्य के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में विभिन्न बीमारियों की स्क्रीनिंग की गई जिसमें 5 लाख 2 हज़ार 535 लोगों की हाइपरटेंशन, 4 लाख 87 हज़ार 640 लोगों की डायबटिीज, 3 लाख 65 हज़ार 991 लोगों की मुख कैंसर, 1 लाख 62 हज़ार 992 लोगों की स्तन कैंसर एवं 1 लाख 15 हज़ार 476 लोगों में सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग की गई।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/digital-health-id